LIBRARY
Hiralal Mazumdar Memorial College for Women
Dakshineswar, Kolkata-35

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Programme 5th Semester Examination, 2022-23

HINGGEC01T-HINDI (GE1)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के वस्तुनिष्ठ उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) मिर्जा गालिब का वास्तविक नाम लिखिए।

(ख) 'निर्भय' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) 'महाकवि भरतियार' के नाम से कौन जाने जाते हैं ?

(घ) सीताकांत महापात्र को साहित्य अकादमी पुरस्कार किस वर्ष मिला ?

(ङ) सुब्रह्मण्यम भारती की पुण्यतिथि को महाकवि दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किस राज्य ने लिया है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) सुख-दुःख को लक्ष-लक्ष धाराओं से
तुम्हें पात्र भरकर दिया है मैंने
कितने वर्णों, गंधों, रंगों और छंदों को
गूँथ-गूँथकर तुम्हारी वासर शैय्या रची है–
तुम्हारे क्षणिक खेल के लिये प्रतिदिन
वासना का सोना गलाकर नित्य नई मूर्ति बनाई है।

(ख) विघ्नों का दल चढ़ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगे,
अब न रहेंगे दलित-दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगे,
क्षुद्र स्वार्थ की खातिर हम तो, कभी न ओछे कर्म करेंगे,
पुण्यभूमि यह भारत माता, जग की हम तो भीख न लेंगे।

(ग) दिल-ए-नादां तुझे हुआ क्या है
आखिर इस दर्द की दवा क्या है
हम हैं मुश्ताक और वो बेजार
या इलाही, ये माजरा क्या है

(घ) अन्वेषी के लिये तुमने रहस्य की रात नहीं रखी
तुम्हारे ज्योतिर्मय नक्षत्र
उसे जो राह दिखाते हैं,
वह तो उसी के हृदय की राह है।
यह राह सदा ही स्वच्छ है।

(ङ) भुलाई जा सकती है भला यह अद्‌भुत छवि ?
इसीलिए तो छलक आए हैं आँसू
अकारण ही आँखों में।
सुन रहे हो ना अनभूली शोभा तले
अति सूक्ष्म, अति क्षीण
अनजानी वेदना और बिदाई की
करुण पूरबी ?

3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कविताओं में निहित जीवन-दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सीताकांत महापात्र की काव्यगत विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए।

4. सुब्रह्मण्यम भारती कृत 'वन्देमातरम' कविता की मूल-संवेदना पर विचार कीजिए। 15

अथवा

मिर्जा गालिब की शायरी के शिल्पगत सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

——×——